भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1309
11/12/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

डीप ओशन मिशन

1309 श्री भुबनेश्वर कालिता:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश की वैज्ञानिक क्षमताओं को उन्नत करने और नीली अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में डीप ओशन मिशन किस प्रकार योगदान देता है;
(ख) गहरे समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को समझने, सतत मत्स्य पालन में योगदान देने और जैव विविधता संरक्षण में मिशन की क्या भूमिका है;
(ग) क्या मिशन के शुभारंभ के बाद से गहरे समुद्र की कोई महत्वपूर्ण खोज की गई है; और
(घ) मिशन के अंतर्गत वर्तमान में स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और उनकी अनुमानित लागत कितनी है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) डीप ओशन मिशन (डी ओ एम) 6 वर्टिकल वाला एक प्रायोगिक पहल हैं जिसकी शुरुआत वर्ष 2021 में ब्लू अर्थव्यवस्था की संभावनाएँ खोलने और महासागर संबंधी संसाधनों का सतत रूप से प्रबंध करने के लिए की गई थी। यह 6 वर्टिकल निम्न पर ध्यान केंद्रित करते हैं (क) गहन समुद्री खनन के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास, मानव युक्त सबमर्सिबल और अंडरवाटर रोबोटिक्स, (ख) महासागर जलवायु परिवर्तन परामर्शी सेवाओं का विकास, (ग) गहरे समुद्र की जैव विविधता के अन्वेषण और संरक्षण के लिए प्रौद्योगिकी संबंधी नवाचार (घ) गहन महासागर सर्वेक्षण और (ङ) महासागर से ऊर्जा और स्वच्छ जल और (च) महासागर जीव विज्ञान के लिए अत्याधुनिक मरीन स्टेशन। मिशन के अंतर्गत देश के वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी क्षमताओं का विस्तार करने की परिकल्पना की गई है जिससे जल के भीतर की इंजीनियरिंग नवाचारों, परिसंपत्ति की जांच और महासागर साक्षरता और मानव संसाधन विकास के संवर्धन में तत्काल लाभ मिला है।

(ख) डीप ओशन मिशन गहन समुद्र जैव विविधता और उसकी पारिस्थितिकी के वैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ाने में मदद करता है। मिशन के अंतर्गत अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में लगभग 25 सी माउंट के (जैव विविधता हॉटस्पॉट) सर्वेक्षण का कार्य संचालित किया गया है। इन सर्वेक्षणों से प्रजातियों के वितरण, आबादी संपर्क और पर्यावरण संबंधों को समझने में सहायता मिलेगी जिसका उपयोग मत्स्य पालन संबंधी सतत प्रयासों में सुधार करने और जैव विविधता संरक्षण को सुदृढ़ करने में किया जा सकता है।

(ग) जी हाँ। विज्ञान के क्षेत्र में संभवतः लगभग 39 नवीन प्रजातियों की खोज की गई है। इन भू भौतिकी सर्वेक्षणों द्वारा दो सक्रिय और दो निष्क्रिय हाइड्रो थर्मल वेन्ट के स्थलों का पता चला है (जो की बहुल खनिज भंडारो के संभावित स्थल हैं)

अब तक की स्थिति के अनुसार डीप ओशन मिशन के तहत 358.56 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत पर देश भर में विभिन्न राष्ट्रीय संस्थाओं हेतु कुल 138 अनुसंधान परियोजनाएँ मंजूर की गई हैं ।

*****